Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 16 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 288

महत्वपूर्ण एवं खास

संसद परिसर में अब धरने, भूख हड़ताल पर पाबंदी, मानसून सत्र से पहले जारी हुआ फरमान

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार से मानसून सत्र की शुरुआत होने जा रही है। इससे पहले आज एक आदेश जारी किया गया है, जिसके मुताबिक संसद में अब किसी भी धरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आपको बता दें कि संसद के इस सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। विपक्ष के पास महंगाई, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना जैसे ऐसे कई मुद्दे हैं, जिसपर सरकार के साथ तकरार देखने को मिल सकती है। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी के एक नए आदेश के अनुसार संसद सदस्य किसी भी धरने या हड़ताल के लिए इसके परिसर का उपयोग नहीं कर सकते हैं। पीसी मोदी के आदेश में कहा गया है कि सदस्य किसी भी प्रदर्शन, धरना, हड़ताल, उपवास या किसी धार्मिक समारोह को करने के उद्देश्य से संसद भवन के परिसर का उपयोग नहीं कर सकते हैं। उन्होंने सदस्यों से सहयोग की अपील की है। वहीं कांग्रेस ने इस फैसले का विरोध किया है। पार्टी के मीडिया सैल के प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट कर इस फैसले पर तंज कसा है। उन्होंने आदेश की चि_ी ट्वीट करते हुए लिखा, 'विश्वगुरु की नवीनतम सलाह- धरना मना है!'

एनएसई अवैध फोन टैपिंग मामला : चित्रा रामकृष्ण और संजय पांडे का एक साथ बयान दर्ज करेगी ईडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त संजय पांडे को 2009 से 2017 के बीच गैरकानूनी तरीके से फोन टैपिंग और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के कर्मचारियों की जासूसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत ने एनएसई की पूर्व सीईओ और एमडी चित्रा रामकृष्ण को 4 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी रामकृष्ण और पांडे का एक साथ बयान दर्ज करना चाहती है। ईडी का मामला सीबीआई की एफआईआर के आधार पर है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देश पर जांच एजेंसी ने यह मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने पिछले शुक्रवार को संजय पांडे का बयान दर्ज किया था।

सेना के एक जवान ने अपने साथी की गोली मारकर की हत्या

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना के एक जवान ने अपने साथी जवान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के सुरनकोट क्षेत्र स्थित सेना की एक इकाई में यह घटना हुई। इस संबंध में अभी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

केंद्र में बदलाव से परीक्षा न दे पाने वालों को एक मौका मिलेगा

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि वे अभ्यर्थी जो परीक्षा केंद्रों में बदलाव के कारण पहले दिन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-स्नातक नहीं दे पाए हैं, उन्हें अगस्त में दूसरे चरण में एक और मौका दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी और पंजाब के पठानकोट में दो केंद्रों पर तकनीकी खामियों के चलते परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

स्वदेशी हथियार से लैस होंगे नौसेना के जहाज : नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार

नई दिल्ली (आरएनएस)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा है कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे उन्नत स्टील्थ विशेषताओं और स्वदेशी हथियार से लैस जहाज हमारे बेड़े की क्षमता को और बढ़ाएंगे। ये जहाज बहुमुखी और शक्तिशाली प्लेटफॉर्म होंगे और व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि का समर्थन करेंगे। साथ ही सभी के लिए सुरक्षित और समृद्ध वैश्विक साझाकरण सुनिश्चित करेंगे। अगली पीढ़ी के चौथे जहाज को तीन साल की अवधि के भीतर लॉन्च करने से युद्धपोतों के निर्माण की क्षमता के मामले में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

एडमिरल आर. हरि कुमार शुक्रवार को प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स श्रेणी के चौथे पोत दूनागिरी को हुगली नदी में जलावतरण किये जाने के समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस शक्तिशाली युद्धपोत को जल्द ही दूनागिरी नाम विरासत में मिलेगा, जो पूर्ववर्ती लिएंडर क्लास के चौथे जहाज का पुनर्जन्म है। अपने पिछले अवतार में आईएनएस दुनागिरी को मई, 1977 में कमीशन किया गया था और अपनी तैंतीस वर्षों की शानदार सेवा के दौरान उसने कई बहुराष्ट्रीय अभ्यासों में भाग लिया और कई अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर गर्व से तिरंगा लहराया।

उन्होंने कहा कि दूनागिरी ने अपने सेवा के अंतिम वर्ष में 154 दिन की यात्रा की और उसे सर्वश्रेष्ठ पोत ट्राफी से सम्मानित किया गया। दूनागिरी नौसेना का वह जहाज था, जिसे मैंने पहली बार 1981 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से नौसेना कैडेट के रूप में रवाना किया था। इसकी कमान कैप्टन आईजेएस खुराना ने संभाली थी, जो बाद में वाइस एडमिरल के रूप में सेवानिवृत्त हुए। 2010 में जहाज की सेवामुक्ति को भारतीय डाक ने जहाज की विशेषता वाले एक विशेष डाक टिकट कवर और जहाज के शिखर की विशेषता वाले एक विशेष रद्दीकरण चिह्न के साथ मनाया था। लगभग पांच दशक बाद नए गिरी का शुभारंभ नौसेना के लिए मील का पत्थर है, क्योंकि यह जहाजों के निर्माण में हमारे युग के आने का प्रतीक है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री हितों को संरक्षित करके बढ़ावा देना है, हम राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रोजेक्ट 17ए के तहत सात जहाज़ों का निर्माण किया जा रहा है जिसमें से आज लॉन्च किया गया पोत चौथा है। इस परियोजना ने 3000 से अधिक स्थानीय रोजगार उत्पन्न किए हैं। इसके अलावा देशभर में एमएसएमई के साथ 29 देशी भारतीय ओईएम इस परियोजना में योगदान दे रहे हैं। पी-17ए प्रोजेक्ट के पहले दो पोत 2019 और 2020 में क्रमश: एमडीएल और जीआरएसई में लॉन्च किए गए थे। तीसरा पोत उदयगिरी इसी साल 17 मई को एमडीएल में लॉन्च किया गया था। इस चौथे पोत का इतने कम समय में लॉन्च किया जाना पोत निर्माण की दिशा में भारत के आत्मनिर्भर होने का प्रमाण है।

उन्होंने कोलकाता के गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर लिमिटेड के सीएमडी, उनके कर्मचारियों, महानिदेशक नौसेना डिजाइन, युद्धपोत उत्पादन अधीक्षक और उनकी टीमों को इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को हासिल करने के लिए बधाई दी। मुझे विश्वास है कि शिपयार्ड जहाज की समय पर कमीशनिंग सुनिश्चित करके विश्वसनीय, उच्च-गुणवत्ता और युद्ध-योग्य युद्धपोतों को वितरित करने में नौसेना का समर्थन करना जारी रखेगा। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में एक बार कमीशन होने के बाद दूनागिरी गर्व के साथ महासागरों के पार तिरंगा फहराएगा, बल्कि एक ऐसा जहाज भी होगा जिससे हमारे विरोधी डरते हैं।

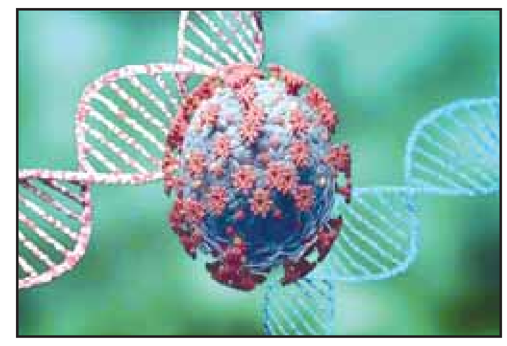

देश में 24 घंटे में 20,038 नए संक्रमित, 47 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस के नए मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में शुक्रवार सुबह आठ बजे तक देश में कोरोना के 20,038 नए मरीज मिले हैं। इस अवधि में कोरोना महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या 16,994 है, जबकि कोरोना वायरस से संक्रमित 47 मरीजों की मौत हो गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की कुल संख्या चार करोड़ 30 लाख 45 हजार 350 हो गई है। इस दौरान रिकवरी दर 98.48 प्रतिशत हो गई। फिलहाल देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढक़र एक लाख 39 हजार 073 पहुंच गई है। जबकि दैनिक संक्रमण दर 4.44 प्रतिशत है।

आईसीएमआर के मुताबिक बीते 24 घंटों में 4 लाख 50 हजार से ज्यादा टेस्ट किए गए। अबतक कुल 86 करोड़ 86 लाख टेस्ट किए जा चुके हैं।

बच्चे 7 बजे स्कूल जा सकते हैं तो हम 9 बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते : जस्टिस ललित

❑ सुप्रीमकोर्ट की एक पीठ ने शुक्रवार को एक घंटे पहले शुरू किया कामकाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीमकोर्ट की एक पीठ ने शुक्रवार को आम दिन की तुलना में एक घंटा पहले काम शुरू कर दिया। जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस एस रविंद्र भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुबह साढ़े नौ बजे मामलों की सुनवाई आरंभ कर दी, जबकि आमतौर पर यह सुनवाई पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे शुरू होती है। जस्टिस ललित अगला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बनने के लिए वरिष्ठता के क्रम के सबसे ऊपर हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे हिसाब से, हमें आदर्श रूप से सुबह नौ बजे (काम के लिए) बैठ जाना चाहिए। मैंने हमेशा कहा है कि यदि बच्चे सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं, तो हम सुबह 9 बजे क्यों नहीं आ सकते। जमानत के एक मामले में पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मामले की सुनवाई समाप्त होने पर, सामान्य समय से पहले बैठने के लिए पीठ की सराहना की, जिसके बाद जस्टिस ललित ने उक्त टिप्पणी की। जस्टिस ललित ने कहा, 'मुझे यह कहना होगा कि अदालतों का काम शुरू करने का अपेक्षाकृत उपयुक्त समय सुबह साढ़े नौ बजे हैं। उन्होंने कहा कि यदि अदालतों का काम जल्दी शुरू होता है, तो इससे उनका दिन का काम भी जल्दी समाप्त होगा और न्यायाधीशों को अगले दिन के मामलों की फाइल पढऩे के लिए शाम को और समय मिल जाएगा। जस्टिस ललित ने कहा, 'अदालतें सुबह नौ काम करना शुरू कर सकती हैं और पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे एक घंटे के ब्रेक के साथ अपराह्न दो बजे तक दिन का काम खत्म कर सकती हैं। ऐसा करके, न्यायाधीशों को शाम में और काम करने का अधिक समय मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था तभी काम कर सकती है, जब केवल नए और ऐसे मामलों की सुनवाई होनी हो, जिनके लिए लंबी सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सप्ताह के कामकाजी दिन में पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे से शाम 4 बजे तक मामलों की सुनवाई करते हैं।

नाक में ही दम तोड़ देगा कोरोना, भारत में बना नेजल स्प्रे

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना के मामले एक बार फिर से बढऩे लगे हैं। पिछले 24 घंटे में 20 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं, जो 145 दिन बाद सबसे अधिक है। कोविड वैक्सीनेशन भी तेजी से चल रहा है, लेकिन कोविड के मामलों में अभी कमी नहीं आ रही है। इस बीच नेजल स्प्रे को लेकर ये बड़ा दावा किया गया है। कोरोना मरीजों पर हुई रिसर्च में ये साबित हुआ है कि नेजल स्प्रे से कोरोना का वायरस नाक में ही खत्म हो रहा है। स्प्रे लेने वाले अधिकतर लोग कोविड जांच में निगेटिव मिले हैं। जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई भी है उनमें वायरल लोड 95 फीसदी तक कम हुआ है। मेडिकल जर्नल द लैंसेट में इस रिसर्च को प्रकाशित किया गया है।

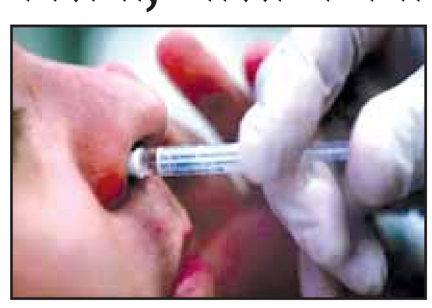

मुंबई स्थित दवा कंपनी ग्लेनमार्क ने भारत में करीब 20 स्थानों पर टीकाकरण और बिना टीकाकरण वाले 306 वयस्कों पर नाइट्रिक ऑक्साइड नेजल स्प्रे का अध्ययन किया, जो कोविड-19 से संक्रमित थे।

ग्लेनमार्क की क्लीनिक डेवलपमेंट प्रमुख मोनिका टंडन ने कहा, नेजल स्प्रे का कोरोना संक्रमित मरीजों पर देश के 20 अस्पतालों में परीक्षण हुआ। इस दौरान हल्के लक्षण वाले कोरोना संक्रमितों (जिन्होंने टीका लिया) और बिना टीका लेने वाले कोरोना मरीजों को अलग-अलग समूह में रखा गया। एक को नेजल स्प्रे यानी नाक के जरिए नाइट्रिक ऑक्साइड दी गई, जबकि दूसरे समूह को एक प्लेसीबो दिया गया। सात दिन बाद परिणामों की समीक्षा की गई तो असर का पता चला। उच्च जोखिम वाले कोरोना रोगियों, जिन्होंने नेजल स्प्रे लिया था, उनमें 24 घंटे के भीतर वायरल लोड में 94प्रतिशत तक की कमी देखी गई। नेजल स्प्रे का क्लीनिकल ट्रायल कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट के सर्ज के दौरान किया गया था।

शोध में पाया गया कि एनओएनएस प्राप्त करने वाले उच्च जोखिम वाले रोगियों में 24 घंटों के भीतर वायरल लोड में उल्लेखनीय कमी आई, जो 7 दिनों के उपचार के दौरान बनी रही।

आईआईटी मद्रास लगातार चौथी बार देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान, टॉप-10 में 7 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों ने बनाई जगह

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास लगातार चौथी बार देश का सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान बना, जबकि विश्वविद्यालय की श्रेणी में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु ने पहला स्थान हासिल किया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग ढांचा (एनआईआएफ) की रैंकिंग का सातवां संस्करण जारी किया। संपूर्ण शैक्षणिक संस्थान की श्रेणी में 10 शीर्ष स्थानों में 7 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने जगह बनाई। इनमें आईआईटी मद्रास, आईआईटी बंबई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खडग़पुर, आईआईटी रूडक़ी, आईआईटी गुवाहाटी शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय की राष्ट्रीय रैंकिंग के मुताबिक, संपूर्ण शैक्षणिक संस्थान की श्रेणी में आईआईटी मद्रास ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि दूसरा स्थान आईआईएससी बेंगलुरु, तीसरा स्थान आईआईटी बॉम्बे, चौथा स्थान आईआईटी दिल्ली तथा पांचवां स्थान आईआईटी कानपुर ने हासिल किया। विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) ने पहला स्थान, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली ने दूसरा स्थान, जामिया मिलिया इस्लामिया ने तीसरा स्थान, यादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता ने चौथा स्थान तथा अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबतूर ने पांचवां स्थान हासिल किया। पिछले वर्ष इस श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की रैंकिंग इस साल छठे स्थान पर चली गई। इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में 8 आईआईटी ने शीर्ष 10 में जगह बनाई। इसमें आईआईटी मद्रास, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बम्बई, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खडग़पुर, आईआईटी रूडक़ी, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी हैदराबाद शामिल हैं। नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कॉलेज तथा चेन्नई स्थित सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज को सर्वश्रेष्ठ डेंटल कॉलेज घोषित किया गया।

भारत के सर्वश्रेष्ठ बी-स्कूल की श्रेणी में आईआईएम अहमदाबाद ने पहला स्थान, आईआईएम बेंगलूरू ने दूसरा और आईआईएम कलकत्ता ने तीसरा स्थान हासिल किया। कालेजों की श्रेणी में मिरांडा हाउस ने पहला स्थान, हिंदू कॉलेज ने दूसरा स्थान, प्रेसीडेंसी कॉलेज ने तीसरा स्थान और लोयला कालेजा चेन्नई ने चौथा स्थान हासिल किया। लेडी श्रीराम कलेज फॉर वुमेन ने इस वर्ष पांचवा स्थान हासिल किया, जबकि पिछले वर्ष उसने दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

महाराष्ट्र में बारिश से अब तक 99 लोगों की मौत

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में हो रही बारिश से कुछ स्थानों में बाढ़ ने कहर बरपाया है। राज्य में अब तक 99 लोगों 181 पशुओं की मौत हो चुकी हैं। कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ की 14 और एसडीआरएफ की 6 टीमें तैनात की गई हैं। अब तक 7, 963 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

मुंबई शहर को जलापूर्ति करने वाले मोदकसागर और तानसा जलाशय लबालब हैं। राज्य के अन्य जलाशयों का भी जलस्तर बढ़ गया है। कोल्हापुर में पंचगंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया है। कोल्हापुर की सिरोल तहसील के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत तथा बचाव कार्य जारी है। कोंकण के रत्नागिरी, सिंधुदूर्ग तथा रायगढ़ जिले में भी कई नदियां उफान पर हैं। इन नदियों के तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

मौसम विज्ञान विभाग ने पालघर, पुणे, सतारा और कोल्हापुर के लिए आज ऑरेंज अलर्ट, मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। फिलहाल मुंबई में बारिश रुक गई है। सडक़ यातायात सुचारू है।

कांवड़ यात्रा पर कट्टरपंथियों के हमले का खतरा, एमएचए ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांवड़ यात्रा की शुरुआत हो गई है। सावन की शुरुआत के साथ ही भोले के भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा से पहले गृह मंत्रालय की ओर से राज्य सरकार को एडवायजरी जारी की गई है और कहा गया है कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को बढ़ा दिया जाए क्योंकि कांवड़ यात्रा पर कुछ कट्टरपंथियों हमला कर सकते हैं।

सावन लगते ही गुरुवार से देश की पवित्र नदियों से शिव मंदिरों में जल अर्पित करने के लिए कांवड़ यात्रियों के जत्थे रवाना हो गए हैं। यूपी समेत देश के अनेक राज्यों में बड़े पैमाने पर ये यात्राएं निकाली जाती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे कांवडिय़ों की सुरक्षा बढ़ाने के तत्काल इंतजाम करें।

सूत्रों ने कहा कि गुप्तचर ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों का अलर्ट किया है। इन राज्यों को कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने की सलाह दी है।

गृह मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड को भी कांवड़ यात्रियों पर हमले के खतरे को देखते हुए ट्रेनों की सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश दिए हैं। एडवाइजरी के मुताबिक कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए।

बता दें, कोरोना महामारी के कारण बीते दो साल बाद इस साल कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। करीब एक माह चलने वाले मेले के दौरान कम से कम चार करोड़ कांवडिय़े हरिद्वार और पड़ोसी ऋषिकेश में पवित्र गंगा नदी का पानी लेने पहुंचेंगे।

निर्माणाधीन गोदाम की दीवार गिरने से पांच लोगों की मौत

❑ पीएम मोदी और सीएम केजरीवाल ने जताया दुख

नई दिल्ली (आरएनएस)। अलीपुर में एक स्थित एक गोदाम की शुक्रवार को दीवार गिर गई। खबरों की माने तो इस हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई और 14 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। बता दें कि हादसे के वक्त 20 से 25 मजदूर गोदाम में काम कर रहे थे। ऐसे में दर्जनों लोगों को फंसे होने की आशंका है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, दुर्घटना स्थल से एक दर्जन से अधिक लोगों को बचाया गया, जिनमें से पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। दिल्ली दमकल सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि उन्हें दोपहर करीब 12.40 बजे नरेला क्षेत्र में चौहान धर्मकांटा के पास बकोली गांव में घटना की सूचना मिली, जिसके बाद छह दमकल गाडिय़ों को तुरंत सेवा में लगाया गया। मलबे के नीचे फंसे लगभग 15 घायल लोगों को दमकलकर्मियों ने बचाया और तुरंत राजा हरीश चंद अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान अभी भी जारी है। स्थानीय पुलिस ने लोगों को घटना स्थल से दूर रखने के लिए एक परिधि निर्धारित की है क्योंकि किसी भी व्यक्ति को बचाने के लिए एक गहन बचाव अभियान चल रहा है, जो अभी भी मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। इस बीच, दो जेसीबी क्रेनें गिरी हुई दीवार का मलबा हटाने के लिए लगाई गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में दीवार गिरने की घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, दिल्ली के अलीपुर में हुई दुर्घटना से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं, जिन्होंने अपनों को खोया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अलीपुर में हुई दुर्घटना वास्तव में दुखद है और उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्य में लगा हुआ है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसकी निगरानी कर रहा हूं।